Statement

	Price of coal as on 17-10-71 i.e. before take-over		Existing Price		Percentage increase	
	Rs.		Rs.			
I. Coking Coal for supply to Hindustan Steel, Fertilizer Corporation and Durgapur Projects						
Special Steel Grade ..	45·00		86·45		92·11	
Steel Plant Grade I ..	42·09		84·04		99·67	
Steel Plant Grade II ..	39·87		81·82		104·97	
Washery Grade I	38·48		60·43		57·04	
Washery Grade II (A) ..	37·35		59·30		58·77	
Washery Grade II(B) ..	36·23		58·18		60·59	
Washery Grade III(A) ..	35·73		57·68		61·43	
Washery Grade III(B) ..	35·23		57·18		62·30	
Washery Grade IV (A) ..	34·23		56·18		64·13	
Washery Grade IV (B) ..	33·23		55·18		66·05	
Washery Grade V(A) ..	31·73		53·68		69·18	
Washery Grade V(B) ..	30·23		52·18		72·61	
II. Non-coking coal						
	Steam	Slack	Steam	Slack	Steom	Slack
Grade I	34·26	33·23	42·00	39·00	22·59	17·36
Grade II	31·25	29·00	38·00	35·00	21·60	20·69
Grade IIIA	28·75	26·50	35·89	32·62	24·83	23·09
Grade IIIB	27·50	25·00	34·74	31·45	26·33	25·80

The prices currently changed for coking coal supplied to private sector steel plants is Rs.0·30 per tonne more in all grades.

सरकारी क्षेत्र के भारी औद्योगिक एकक

312. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री भैरों सिंह शेखावत :

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र में ऐसे भारी औद्योगिक एककों के नाम क्या हैं जो घाटे पर चल रहे हैं ;

(ख) इनमें से प्रत्येक एकक को अब तक कुल कितना-कितना घाटा उठाना पड़ा है ;

(ग) इनमें से प्रत्येक एकक की निर्धारित क्षमता कितनी-कितनी है और इस समय वे कितनी-कितनी क्षमता पर कार्य कर रहे हैं; और

(घ) इन एककों के कार्यकरण को सुधारने के लिये सरकार ने क्या कदम उठाये हैं और उनके क्या परिणाम निकले ?

†[Public sector heavy industry units

312. SHRI PRAKASH VIR SHASTRI:
SHRI B. S. SHEKHAWAT:

Will the Minister of HEAVY INDUSTRY be pleased to state:

(a) the names of heavy industrial units in public sector which are suffering losses;

(b) the total loss suffered so far by each of these units;

(c) what is the rated capacity of these units, unit-wise, and at what capacity they are working at present; and

(d) what steps Government have taken to improve the working of these units and with what results?]

†[ ] English translation.

भारी उद्योग मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाली निम्न-लिखित भारी इंजीनियरी परियोजनाओं को वर्ष 1973–74 की अवधि में हानियां हुई :–

1. हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन ;
2. भारत हेवी प्लेट एण्ड वैसेल्स लिमिटेड;
3. त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड ;
4. भारत पम्प एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड ;
5. जेसप एण्ड कंपनी ;
6. ग्रेशम एण्ड क्रेवन;
7. ग्रैथवेट एण्ड कंपनी ;
8. मशीन टूल्स कारपोरेशन ग्राफ इंडिया लिमिटेड ।

(ख) उपरलिखित प्रत्येक एकक को वर्ष 1973–74 की अवधि में हुई हानियां और वर्ष 1972–73 के अन्त तक संचित हानि निम्नलिखित तालिका में दी गई है । वर्ष 1973–74 से संबंधित हानि के आंकड़े अस्थायी है । क्योंकि अभी तक इस वर्ष के लिये इन कंपनियों के लेखों की लेखा परीक्षा नहीं हुई है ।

(करोड़ रुपये में)

क्रम सं०	परियोजना	वर्ष 1972–73 के अंत तक संचित हानि	1973–74 की अवधि में हुई हानि (अस्थायी)	योग
1	हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन	105.76	8.00	113.76
2	भारत हेवी प्लेट एंड वैसेल्स	3.99	0.30	4.29
3	त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड	2.40	0.30	2.70
4	भारत पम्पस एण्ड कैम्प्रेशर्स लिमिटेड	उत्पादन नही हो रहा है	0.32	0.32
5	जैसेप्स	14.65	4.32	18.97
6	ग्रेशम एण्ड क्रेवन	1.51	0.22	1.73
7	ब्रेथवेटस	12.26	5.12	17.78
8	मशीन टूल्स कारपोरेशन ग्राफ इंडिया	0.93	0.28	1.21
	योग	141.50	18.86	160.36

(ग) एक विवरण संलग्न है ।

(घ) इस मंत्रालय के नियंत्रण में आने वाले भारी इंजीनियरी एककों की क्षमता का और अधिक उपयोग करने के लिये कई कदम उठाये गये हैं । इनमें एककों के प्रबंध का पुनर्गठन और व्यवसायीकरण एककों द्वारा निर्मित उपकरणों का मानकीकरण, उत्पाद मिश्र को युक्ति-युक्त और विविधीकृत बनाना, डिजाइन क्षमताओं का सुदृढ़ बनाना, अधिकतम उपयोग के लिये दुर्लभ कच्ची सामग्री का अंत : संयंत्र स्थानांतरण करने हेतु वस्तु-सूची स्तरों पर और अधिक अच्छा

नियंत्रण, और सुरक्षात्मक रख रखाव को और अधिक मजबूत बनाना सम्मिलित है। उत्पादन में होने वाली कठिनाइयों का पता लगाने के लिये संयंत्र स्तर पर विस्तृत अध्ययन भी किये जा रहे हैं। इन अध्ययनों के फलस्वरूप विभिन्न एककों में कुछ अतिरिक्त सुविधाऐं बढ़ाने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। ये कार्यक्रम पांचवी पंच-वर्षीय योजना के लिये लागू किये गये हैं और इनका उद्देश्य कम से कम समय में न्यूनतम लागत पर अतिरिक्त सुविधाएं जुटाना है मंत्रालय ने (1) मसांधनों के आवंटन (2) कार्य संचालन योजनायें और समय तालिकायें (3) नई परयोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने और जानकारी का विश्लेषण करने की निस्तर योजनायें चलाने (5) (क) नियंत्रण और (ख) मासिक और त्रिमासिक रिपोर्टो के जरिये कार्यो को चलाने और उनका मूल्यांकन करने के लिये एक सूचना प्रणाली भी तैयार की है, जिससे उपर्युक्त बातों के विषय में शीघ्र ही निर्णय किये जा सकते है।

कुछ एकक जैसे जेसप्स, ब्रेथवेट्स और ग्रेशम एण्ड क्रेबन सरकार ने हाल ही में अपने अधिकार में ले लिये है क्योकि ये रुग्ण एकक थे और उनके उत्पादन में वांछित स्तर तक वृद्धि करने में कुछ समय लगेगा। मशीन टूल कारपोरेशन आफ इंडियां ने अप्रैल, 1970 में उत्पादन प्रारंभ किया है और भारत पंप एण्ड कम्प्रेशर्स ने इसी वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन करना प्रारंभ किय है। भारी इंजीनियरी एककों के पनपने की अवधि भी लम्बी होती है। वर्ष 1972-73 की तुलना में वर्ष 1973-74 में इन एककों के उत्पादन मे काफी वृद्धि हुई है, जैसा नीचे सारणी में दिया गया है :-

(रु० करोड़ों में)

एकक	उत्पादन 1972-73	उत्पादन 1973-74	वृद्धि का प्रतिशत
भारी इंजीनियरी निगम	49.00	62.42	27%
भारत हेवी प्लेट्स एण्ड वैसेल्स	4.60	8.82	92%
त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि०	2.80	5.50	61%
भारत पंम्प एण्ड कम्प्रेशर्स लि०	उत्पादन शुरू नहीं	0.067	–
जेसेप्स	16.20	24.03	48%
ग्रेशम एण्ड क्रेवन	0.84	1.05	26%
ब्रेथवेट	8.90	11.05	24%
मशीन टूल कारपोरेशन आफ इंडिया	1.10	1.51	37%

वर्ष 1974-75 में पर्याप्त रूप से अधिक उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किन्तु भारी इंजीनियरी एककों में क्षमता का अधिक उपयोग काफी हद तक उनके निर्माण कार्यक्रम के अनुरूप समय पर क्रयादेशों के मिलने वांछित मानकीकरण के प्रारंभ करने, कच्चे माल की समय पर उपलब्धता विशेषरूप से इस्पात की उपलब्धता, परिवहन के लिये वैगनों की निरन्तर उपलब्धता और बिजली की उपलब्धता और स्थायी और सदभावनापूर्ण श्रमिक संबंधों पर निर्भर करेगा।

विवरण

भारी उद्योग मंत्रालय

सरकारी क्षेत्र के एकक

लाइसेंस प्राप्त क्षमता

क्रमांक	एकक	वास्तविक उत्पादन के अनुसार वार्षिक क्षमता	1973–74 में प्रत्यक्ष रूप में क्षमता के उपयोग की प्रतिशतता
1	**भारी इंजीनियरी निगम**		
	भारी मशीन निर्माण संयंत्र		
	भारी मशीन निर्माण संयंत्र (संरचनात्मक)	20,000 मी टन	48.8
	भारी मशीन निर्माण संयंत्र (यांत्रिक)	64,000 मी टन	51.2
	फाऊंड्री फोर्ज प्लांट	66,400 मी टन	46.5
	भारी मशीनी औजार संयंत्र		
	भारी मशीनी औजार	96 एम/सी	37.7
2	**भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसल्स लि०**		
	हेवी प्लेट एण्ड वेसल्स	24,000 मी टन	44.5
3	**त्रिवेणी स्ट्रक्चरल लिमिटेड**		
	क्रेनें, ढांचा निर्माण आदि	17,000 मी टन	75.8
4	**भारत पम्प एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड**		
	सेंट्रीफ्यूगल पम्प	660 नग	अभी उत्पादन शुरू नहीं हुआ।
	रेसिप्रोकेटिंग पम्प	65 नग	
	रेसिप्रोकेटिंग कम्प्रेशर्स	60 नग	
	सिलेन्डर	100,000 नग	
5	**जेसप एण्ड कम्पनी लिमटेड**		
	स्ट्रक्चरल	6,000 मी टन	35.4
	रोड रोलर	480 नग	222.7
	क्रेनें	3,500 मी टन	76.6
	रेलवे वैगन	2,100 चार पहिए वाले	42.0
	एम० जी० कोच	300 नग	21.3
	ई० एम० यू० कोच	363/सी यू	50.0

क्रमांक	एकक	वास्तविक उत्पादन के अनुसार वार्षिक क्षमता	1972–74 में प्रत्यक्ष रूप में क्षमता के उपयोग की प्रतिशतता
6	**ग्रेशलम एण्ड क्रेवन**		
	उपकरण और मालगाड़ी के हिस्से-पुर्जे	11,340 नग	48.6
7	**ब्रेथवेट एण्ड कम्पनी**		
	क्लाइव वर्क्स		
	भारी इस्पाती ढांचा निर्माण	16,000 मी टन	19.5
	प्रेस्ड स्टील टैंक प्लेट	25,000 नग	40.8
	रेलवे वैगन	3,500 4 पहिए वाले	65.0
	अंगस वर्क्स		
	ढुलाई, गढ़ाई और मशीन शाप	1,000 मी टन	163.8
	रोड रोलर	200 नग	32.2
	जूट कार्ड, रोल फार्मर और फीडर	170 नग	100.0
	क्रेने	120 नग	—
8	**मशीन टूल कारपोरेशन आफ इंडिया**		
	मशीनी औजार तथा मेटल वर्किंग मशीनरी	170 नग	73.8

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI DALBIR SINGH): (a) The following heavy engineering projects under the administrative control of the Ministry of Heavy Industry suffered losses during 1973-74:—

1. Heavy Engineering Corporation;
2. Bharat Heavy Plate & Vessels Ltd;
3. Triveni Structurals Ltd;
4. Bharat Pumps & Compressors Ltd;
5. Jessop & Co.;
6. Gresham & Craven Ltd;
7. Braithwaite & Co.;
8. Machine Tools Corporation of India Ltd;

(b) The following table indicates the losses incurred during 1973-74 and the accumulated loss upto the end of 1972-73 in respect of

†[ ] English translation.

each of the above units. The figures relating to losses during 1973-74 are provisional as the accounts of the companies have not been audited as yet:

(Rs.in crores)

Serial No.	Project	Accumulated loss upto the end of 1972-73	Loss during 1973-74 (Provisional)	Total
1	H.E.C.	105·76	8·00	113·76
2	B.H.P.V.	3·99	0·30	4·29
3	T.S.L.	2·40	0·30	2·70
4	B.P.C.L.	Not in Produ.	0·32	0·32
5	Jessops	14·65	4·32	18·97
6	Gresham & Craven	1·51	0·22	1·73
7	Braithwaites	12·26	5·12	17·38
8	M.T.C.I.	0·93	0·28	1·21
	TOTAL ..	141·50	18·86	160·36

(c) A statement is attached.

(d) A number of steps have been taken to achieve greater utilisation of capacity in the heavy engineering units under the control of this Ministry. These include reorganisation and professionalisation of the management of the units, standardisation of equipment manufactured by the units, rationalisation and diversification of the product-mix strengthening of design capabilities, better control of inventory levels enabling interplant transfer of scarce raw-materials for optimum utilisation, and greater emphasis on preventive maintenance in the plants. Detailed studies were also taken up at the plant level to identify production bottlenecks. As a result of these studies, programmes have been undertaken to add certain balancing facilities in the different units. These programmes have been incorporated in the Fifth Five Year Plan and are aimed at giving additional output at minimum cost and in the quickest possible time. The Ministry has also set up an information system to enable quick decisions being taken in regard to (i) allocation of resources; (ii) operational plans and schedules; (iii) monitoring of progress on new projects & continuing schemes analysis of the information (iv) evaluation & feed back to exercise the functions of (a) control and (b) planning through monthly and quarterly reports.

Some of the units like Jessops. Braithwaites and Gresham & Craven have been taken over by Government only in the recent past at they were sick units, and it will take some time to build up their production to the desired level. MTCI have started production in April, 1970 while BPCL have just started commercial production this year. The gestation period of the heavy engineering units is also long.

There has been a significant increase in production of these units during 1973-74 as compared to that in 1972-73, as indicated in the table below:

(Rs. in crores)

Unit	PRODUCTIONS 1972-73	1973-74	% age growth
H.E.C.	49·00	62·42	27
B.H.P.V.	4·60	8·82	**92**
T.S.L.	2·80	4·50	**61**
B.P.C.L.	Not in prodn.	0·67	..
Jessops	16·20	24·03	48
Gresham & Craven	0·84	1·05	26
Braithwiate	8·90	11·05	24
M. T. C. I.	1·10	1·51	37

During 1974-75 a substantially higher level of production target has been fixed. However, increased utilisation of capacity of the heavy engineering units will, to a great extent, depend upon timely inflow of orders in consonance with their profile of manufacture introduction of the desired standardisation, timely availability of raw-materials particularly steel consistent availability of wagons for transport and power, and stable and harmonious labour relations.

Statement

MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

PUBLIC SECTOR UNITS

Licensed Capacity

Serial No.	Unit	Annual capacity in terms of physical output	%age utilisation of capacity in physical terms in 1973-74 (average)
1	*Heavy Engineering Corporation* *Heavy Machine Building Plant*		
	Heavy Machine Building Plant (structural) ..	20,000 MT	48·8
	Heavy Machine Building Plant (Mechanical) ..	64,000 MT	51·2
	Foundary Forge Plant	66,400 MT	46·5
	Heavy Machine Tool Plant		
	Heavy Machine Tools ..	96 M/C	37·7
2	*Bharat Heavy Plate & Vessels Ltd.*		
	Heavy Plate & Vessels	24,000 MT	44·5
3	*Triveni Structurals Ltd.*		
	[illegible]	17,000 MT	75·8

Serial No.	Unit	Annual capacity in terms of physical output	%age utilisation of capacity in physical terms in 1973-74 (average)
4	*Bharat Pumps Compressors Ltd.*		
	Centrifugal Pumps	660 Nos.	Not yet in production.
	Reciprocating Pumps	65 Nos.	
	Reciprocating compressors	60 Nos.	
	Cylinders	100,000 Nos.	
5	*Jessop & Co. Ltd.*		
	Structural	6,000 MT	35·4
	Road Rollers	480 Nos.	222·7
	Cranes	3,500 MT	76·6
	Railway Wagons	2,100 4 wheelers	42·0
	M.G. Coaches	300 Nos.	21·3
	EMU Coaches	36·3 CU	50·0
6	*Gresham & Craven*		
	Railway Eqpt. & Wagon Components	11,340 Nos.	48·6
7	*Braithwaite & Co. Clive Works*		
	Heavy Steel Structural Fabrication	16,000 MT	19·5
	Pressed Steel Tank Plates	25,000 Nos.	40·8
	Railway Wagons	3,500 4 Wheelers	65·0
	Angus Works		
	Foundry, Forge & Machine Shop	1,000 MT	163·8
	Road Rollers	200 Nos.	32·2
	Jute Card, Roll Farners & Feeders	170 Nos.	100·0
	Cranes	120 Nos.	..
8	*Machine Tool Corporation of India*		
	Machine Tools & Metal Working Machinery	170 Nos.	73·8